

खबर संक्षेप

नवोदय विद्यालय में कक्षा 9वीं और 11वीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

मण्डला। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, पदमी मंडला में सत्र 2027-28 के लिए कक्षा 9वीं एवं 11वीं की रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। नवोदय विद्यालय समिति द्वारा लेस्ट-2027 के माध्यम से प्रवेश के लिए इच्छुक विद्यार्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी नवोदय विद्यालय समिति के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर जाकर नि:शुल्क आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। कक्षा 9वीं के लिए आवेदन हेतु संबंधित ऑनलाइन पोर्टल तथा कक्षा 11वीं के लिए निर्धारित पोर्टल पर पंजीयन किया जा सकता है। प्रवेश प्रक्रिया एवं पात्रता से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी पोर्टल पर उपलब्ध प्रॉस्पेक्टस डाउनलोड कर सकते हैं।

11 सितंबर को नगरपालिका मंडला में लगेगा लोक कल्याण मेला

मण्डला। नगर पालिका परिषद मंडला द्वारा 11 सितंबर 2026, शुक्रवार को नगर पालिका परिसर स्थित टाउनहॉल में एक दिवसीय लोक कल्याण मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले का शुभारंभ प्रातः 11 बजे होगा। मेले का उद्देश्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाना तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाना है। नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने बताया कि मेले में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत विशेष शिविर लगाया जाएगा। इसमें नगर के पात्र पथ विक्रेताओं को 15 हजार से 50 हजार रुपये तक के ऋण वितरण के साथ नवीन आवेदनों की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा जिन हितग्राहियों के द्वितीय एवं तृतीय चरण के ऋण पूर्ण हो चुके हैं, उन्हें क्रेडिट कार्ड के आवेदन एवं संचालन संबंधी प्रशिक्षण दिया जाएगा। मेले में डिजिटल लेन-देन, कैशबैक योजना, आवास, बैंकिंग, बीमा, पेंशन, राशन कार्ड सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी देने के लिए स्टॉल लगाए जाएंगे। नगर पालिका कर्मचारियों एवं हितग्राहियों के स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। नगर पालिका अध्यक्ष श्री कछवाहा ने रेहड़ी, ठेला एवं गुमटी संचालकों सहित नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में मेले में पहुंचकर शासन की योजनाओं की जानकारी लेने और पात्रतानुसार लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली की लीगल एड डिफेंस काउंसिल मॉडिफाइड स्कीम-2022 के तहत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडला श्री कमल जोशी ने लीगल एड डिफेंस काउंसिल द्वारा विधिक सहायता प्रकरणों में की जा रही पैरवी एवं प्रयासों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री तपन धारगा, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री विजय कुमार खोब्रागड़े, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री सत्यनारायण मिश्रा, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री अजय तिवारी एवं श्री एम.वाई. खोखर उपस्थित रहे।

खतरा

तीन-चार साल से इसे गिराने की हो रही मांग, अब तक नहीं हुई कार्रवाई।

जर्जर रंगमंच बना मासूम बच्चों के लिए खतरा



* मोहगांव विकासखण्ड के कोआडोंगरी ग्राम का मामला।

हरिभूमि न्यूज़ ॥ मण्डला

विकासखंड मोहगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत कौआडोंगरी में संचालित एकीकृत हाई स्कूल के माध्यमिक शाला परिसर में वर्षों पुराना पंचायत का रंगमंच जर्जर अवस्था में खड़ा है। परिसर में प्राथमिक एवं माध्यमिक

शाला के साथ आंगनवाड़ी केंद्र भी संचालित होने के कारण जर्जर भवन से बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। बताया गया कि यह रंगमंच काफी पुराना है तथा बिना बीम-कॉलम के निर्मित होने के साथ इसकी छत भी क्षतिग्रस्त होकर झुक गई है। भवन की स्थिति इतनी खराब है कि कभी भी इसका कोई हिस्सा गिर सकता है। ऐसे में स्कूल परिसर में अध्ययनरत मासूम बच्चों के साथ हादसे की आशंका बनी हुई है। शाला प्रबंधन द्वारा अनुपयोगी एवं जर्जर

भवन को डिस्मेंटल कराने के लिए ग्राम पंचायत का आा डोगरी एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी मोहगांव को कई बार पत्र लिखकर मांग की जा चुकी है। बावजूद इसके तीन-चार वर्ष बीतने के बाद भी भवन को हटाने की कार्रवाई नहीं की गई है। अभिभावकों एवं शाला प्रबंधन से संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि किसी संभावित दुर्घटना से पहले जर्जर रंगमंच का निरीक्षण कर तत्काल डिस्मेंटल कराया जाए।

इसका कहना है - “जर्जर एवं अनुपयोगी रंगमंच भवन को हटाने के लिए शाला प्रबंधन द्वारा ग्राम पंचायत एवं विकासखंड के वरिष्ठ अधिकारियों को लगातार पत्र और मौखिक रूप से अवगत कराया जा रहा है, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई है। भवन के कारण परिसर में बच्चों की सुरक्षा को खतरा बना हुआ है। इसे जल्द डिस्मेंटल कराया जाना आवश्यक है।” -धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय

प्रभारी प्राचार्य, शास. हाईस्कूल कौआडोंगरी, मोहगांव “मामला संज्ञान में आते ही ग्राम पंचायत को जर्जर भवन के डिस्मेंटल संबंधी प्रस्ताव तैयार कर भेजने के निर्देश दिए गए हैं। प्रस्ताव प्राप्त होते ही जल्द अग्रिम कार्रवाई कर भवन को हटया जाएगा, ताकि विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।” -शिवकुमार मिश्रा (अड्ड भैया) उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष, शिक्षा समिति जन. पंचा. मोहगांव

इसका कहना है -

“जर्जर एवं अनुपयोगी रंगमंच भवन को हटाने के लिए शाला प्रबंधन द्वारा ग्राम पंचायत एवं विकासखंड के वरिष्ठ अधिकारियों को लगातार पत्र और मौखिक रूप से अवगत कराया जा रहा है, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई है। भवन के कारण परिसर में बच्चों की सुरक्षा को खतरा बना हुआ है। इसे जल्द डिस्मेंटल कराया जाना आवश्यक है।”

-धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय



इसका कहना है -

“जर्जर एवं अनुपयोगी रंगमंच भवन को हटाने के लिए शाला प्रबंधन द्वारा ग्राम पंचायत एवं विकासखंड के वरिष्ठ अधिकारियों को लगातार पत्र और मौखिक रूप से अवगत कराया जा रहा है, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई है। भवन के कारण परिसर में बच्चों की सुरक्षा को खतरा बना हुआ है। इसे जल्द डिस्मेंटल कराया जाना आवश्यक है।”

-धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय



इसका कहना है -

“जर्जर एवं अनुपयोगी रंगमंच भवन को हटाने के लिए शाला प्रबंधन द्वारा ग्राम पंचायत एवं विकासखंड के वरिष्ठ अधिकारियों को लगातार पत्र और मौखिक रूप से अवगत कराया जा रहा है, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई है। भवन के कारण परिसर में बच्चों की सुरक्षा को खतरा बना हुआ है। इसे जल्द डिस्मेंटल कराया जाना आवश्यक है।”

-धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय

चयन प्रक्रिया पर लगे प्रश्नचिन्ह, उत्कृष्ट शिक्षकों की अनदेखी

चीन्ह-चीन्हकर कर रहे सम्मानित

* सम्मान के नाम पर शिक्षकों के साथ हो रहा नेदभाव।

हरिभूमि न्यूज़ ॥ मण्डला

शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह को लेकर सवाल उठने लगे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कई शिक्षक एवं संस्था प्रमुख सम्मान से वंचित रह गए। वहीं विभाग द्वारा विकासखंड एवं विद्यालय स्तर पर भी सम्मान समारोह आयोजित करने के निर्देश दिए जाने के बावजूद कई विकासखंडों में आयोजन नहीं होने की जानकारी सामने आ रही है।

शिक्षकों का कहना है कि सम्मान के लिए बेहतर परीक्षा परिणाम, नवीन शिक्षण पद्धति, शैक्षणिक नवाचार और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान जैसे मापदंडों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। चयन प्रक्रिया में पर्याप्त पारदर्शिता नहीं होने से कई उत्कृष्ट शिक्षकों में असंतोष है। कुछ शिक्षकों ने चयन में व्यक्तिगत पसंद-नापसंद को प्राथमिकता दिए जाने के आरोप भी लगाए हैं।

हर विकासखंड से चार नाम बुलाए गए

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के अनुसार जिला स्तरीय सम्मान के लिए प्रत्येक विकासखंड से चार-चार शिक्षकों के नाम बुलाए गए थे।

जानकारी के अनुसार विकासखंड

उल्लेखनीय कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रोत्साहित करना है, न कि इसे महज औपचारिक आयोजन तक सीमित रखना। उन्होंने मांग की है कि सम्मानित शिक्षकों के चयन का आधार सार्वजनिक किया जाए तथा यदि कहीं नियमों की अनदेखी या लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदारी तय की जाए। शिक्षकों का कहना है कि पात्र एवं कर्मठ शिक्षकों की उपेक्षा से शिक्षा जगत में गलत संदेश जाने के साथ ही बेहतर कार्य करने वालों का मनोबल भी प्रभावित हो सकता है।

इसका कहना है -

जिला स्तर के शिक्षक सम्मान समारोह में अधिक संख्या होने और समयाभाव के कारण सभी शिक्षकों को सम्मानित करना संभव नहीं था। इसलिए प्रत्येक विकासखंड से उत्कृष्ट कार्य करने वाले चार शिक्षकों के नाम बुलाए गए थे, जिनके आधार पर जिला स्तर पर सम्मान किया गया। साथ ही विकासखंड एवं विद्यालय स्तर पर भी सम्मान समारोह आयोजित करने के निर्देश दिए गए थे। यदि कहीं आयोजन नहीं हुआ है तो इसकी जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

श्रीमती मुन्नी बरकडे, डीडोओ, मण्डला

कर चोरी की सूचना देकर राजस्व वृद्धि में सहभागी बनें

आधुनिक शिक्षण तकनीक, एआई और गतिविधि आधारित शिक्षण पर दिया गया जोर

हरिभूमि न्यूज़ ॥ मण्डला

स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत समग्र शिक्षा अभियान के तहत कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों को अध्यापन कराने वाले शिक्षकों का छह दिवसीय विषयवार जिला स्तरीय अकादमिक प्रशिक्षण सगुन हॉल, मण्डला में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी बरकडे तथा एडीपीसी एल.एस. मसराम के मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों के अकादमिक स्तर को मजबूत करने, अध्यापन की गुणवत्ता बढ़ाने तथा कक्षा में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी शिक्षण विधियों से परिचित

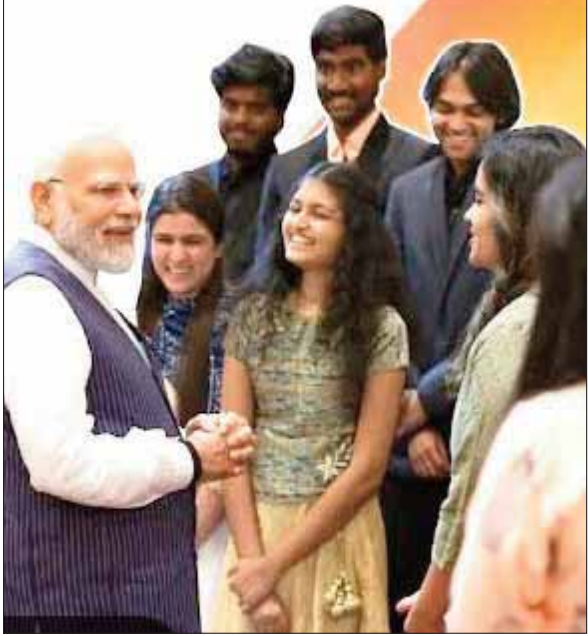
कराना रहा। अगस्त माह से प्रारंभ यह प्रशिक्षण छह माह तक निरंतर संचालित होने वाली अकादमिक उन्नयन प्रक्रिया का हिस्सा है। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स द्वारा कठिन एवं जटिल अवधारणाओं को गतिविधि आधारित एवं रोचक शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से सरल तरीके से समझाने के तरीकों पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर भी शिक्षकों को जानकारी दी गई।

इसका कहना है -

“जर्जर एवं अनुपयोगी रंगमंच भवन को हटाने के लिए शाला प्रबंधन द्वारा ग्राम पंचायत एवं विकासखंड के वरिष्ठ अधिकारियों को लगातार पत्र और मौखिक रूप से अवगत कराया जा रहा है, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई है। भवन के कारण परिसर में बच्चों की सुरक्षा को खतरा बना हुआ है। इसे जल्द डिस्मेंटल कराया जाना आवश्यक है।”

-धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय

युवाओं से विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद विवज में सहभागिता की अपील



* 15 से 29 वर्ष के युवा मेरा युवा भारत पोर्टल पर कर सकते हैं पंजीयन।

हरिभूमि न्यूज़ ॥ मण्डला

युवाओं को विकसित भारत /2047 के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से मेरा युवा भारत के माध्यम से विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद को आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत युवाओं को अपने विचार, दृष्टिकोण और नेतृत्व क्षमता प्रदर्शित करने के लिए राष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। विकसित भारत विवज इस पहल से जुड़ने का पहला चरण है। विवज में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को आगे

कर चोरी की सूचना देकर राजस्व वृद्धि में सहभागी बनें

कर सलाहकार एक एकीकृत मंच पर कर चोरी से जुड़ी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। इस मॉड्यूल का उद्देश्य प्राप्त सूचनाओं का समयबद्ध परीक्षण, त्वरित कार्रवाई, सतत अनुश्रवण और सूचनादाताओं को फीडबैक उपलब्ध कराना है। इससे कर प्रशासन अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और परिणामोन्मुख बनेगा।

इन अनियमितताओं की दे सकते हैं सूचना

500 से अधिक की बिक्री पर बिना जीएसटी का बिल जारी करना, कम्पोजिशन करदाता द्वारा बिक्री बिल पर अवैध रूप से जीएसटी वसूलना, बिना पंजीयन निर्धारित टर्नओवर

कर चोरी की सूचना देकर राजस्व वृद्धि में सहभागी बनें

आधुनिक शिक्षण तकनीक, एआई और गतिविधि आधारित शिक्षण पर दिया गया जोर

हरिभूमि न्यूज़ ॥ मण्डला

स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत समग्र शिक्षा अभियान के तहत कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों को अध्यापन कराने वाले शिक्षकों का छह दिवसीय विषयवार जिला स्तरीय अकादमिक प्रशिक्षण सगुन हॉल, मण्डला में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी बरकडे तथा एडीपीसी एल.एस. मसराम के मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों के अकादमिक स्तर को मजबूत करने, अध्यापन की गुणवत्ता बढ़ाने तथा कक्षा में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी शिक्षण विधियों से परिचित

कराना रहा। अगस्त माह से प्रारंभ यह प्रशिक्षण छह माह तक निरंतर संचालित होने वाली अकादमिक उन्नयन प्रक्रिया का हिस्सा है। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स द्वारा कठिन एवं जटिल अवधारणाओं को गतिविधि आधारित एवं रोचक शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से सरल तरीके से समझाने के तरीकों पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर भी शिक्षकों को जानकारी दी गई।

इसका कहना है -

“जर्जर एवं अनुपयोगी रंगमंच भवन को हटाने के लिए शाला प्रबंधन द्वारा ग्राम पंचायत एवं विकासखंड के वरिष्ठ अधिकारियों को लगातार पत्र और मौखिक रूप से अवगत कराया जा रहा है, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई है। भवन के कारण परिसर में बच्चों की सुरक्षा को खतरा बना हुआ है। इसे जल्द डिस्मेंटल कराया जाना आवश्यक है।”

-धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय

निबंध चुनौती, जिला स्तरीय प्रतियोगिता, राज्य स्तरीय युवा नेतृत्व संवाद तथा राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा और विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। जिला युवा अधिकारी श्री भुवन सिंह सोलंकी ने मंडला जिले के 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के सभी पात्र युवाओं से अधिकाधिक संख्या में मेरा युवा भारत पोर्टल पर पंजीयन कर विवज में सहभागिता करने की अपील की है। उन्होंने विद्यार्थियों, युवा मंडलों एवं शैक्षणिक संस्थानों से भी अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित कर इस अभियान को व्यापक जनभागीदारी का रूप देने का आह्वान किया है। विकसित भारत विवज में सहभागिता के लिए मेरा युवा भारत पोर्टल पर पंजीयन किया जा सकता है।

कर चोरी की सूचना देकर राजस्व वृद्धि में सहभागी बनें

कर सलाहकार एक एकीकृत मंच पर कर चोरी से जुड़ी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। इस मॉड्यूल का उद्देश्य प्राप्त सूचनाओं का समयबद्ध परीक्षण, त्वरित कार्रवाई, सतत अनुश्रवण और सूचनादाताओं को फीडबैक उपलब्ध कराना है। इससे कर प्रशासन अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और परिणामोन्मुख बनेगा।

इन अनियमितताओं की दे सकते हैं सूचना

500 से अधिक की बिक्री पर बिना जीएसटी का बिल जारी करना, कम्पोजिशन करदाता द्वारा बिक्री बिल पर अवैध रूप से जीएसटी वसूलना, बिना पंजीयन निर्धारित टर्नओवर

कर चोरी की सूचना देकर राजस्व वृद्धि में सहभागी बनें

आधुनिक शिक्षण तकनीक, एआई और गतिविधि आधारित शिक्षण पर दिया गया जोर

हरिभूमि न्यूज़ ॥ मण्डला

स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत समग्र शिक्षा अभियान के तहत कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों को अध्यापन कराने वाले शिक्षकों का छह दिवसीय विषयवार जिला स्तरीय अकादमिक प्रशिक्षण सगुन हॉल, मण्डला में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी बरकडे तथा एडीपीसी एल.एस. मसराम के मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों के अकादमिक स्तर को मजबूत करने, अध्यापन की गुणवत्ता बढ़ाने तथा कक्षा में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी शिक्षण विधियों से परिचित

कराना रहा। अगस्त माह से प्रारंभ यह प्रशिक्षण छह माह तक निरंतर संचालित होने वाली अकादमिक उन्नयन प्रक्रिया का हिस्सा है। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स द्वारा कठिन एवं जटिल अवधारणाओं को गतिविधि आधारित एवं रोचक शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से सरल तरीके से समझाने के तरीकों पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर भी शिक्षकों को जानकारी दी गई।

इसका कहना है -

“जर्जर एवं अनुपयोगी रंगमंच भवन को हटाने के लिए शाला प्रबंधन द्वारा ग्राम पंचायत एवं विकासखंड के वरिष्ठ अधिकारियों को लगातार पत्र और मौखिक रूप से अवगत कराया जा रहा है, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई है। भवन के कारण परिसर में बच्चों की सुरक्षा को खतरा बना हुआ है। इसे जल्द डिस्मेंटल कराया जाना आवश्यक है।”

-धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय



धंसते हुये एक हिस्से से हरिभूमि द्वारा उठाये जाने वाली आर्थकाओं पर लगी मुहर....

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। निश्चित तौर से जब नगर व क्षेत्र में कोई बड़ा विकास कार्य होता है तो वहां पर रहने वाले लोगों को बड़ी खुशी होते हुये देखी जाती है। नगर के रेलवे स्टेशन के समीप चौवली की ओर जाने वाले मार्ग पर बनये गये ओवर ब्रिज को देखते हुये जान पड़ रही थी। क्योंकि चौवली की ओर जाने वाले मार्ग पर रेलवे गेट के बंद रहने की स्थिति में चौवली सहित आस पास के दर्जनों गांव के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है और जब यहां पर ओवर ब्रिज निर्माण की खबर सुनी थी तो लोगों के दिलों में इस बात की खुशी देखने मिल रही थी कि शीघ्र ही इस ओवर ब्रिज के निर्माण होने से उन्हें रेल्वे फाटक के बंद रहने की परेशानी से निजात मिल जावेगी। मगर क्षेत्र के लोग हैरत में उस समय पड़ने से नही चूक पाये थे जब इस ओवर ब्रिज के निर्माण में वर्षों का समय बीत गया जब कही कार्य पूर्ण होते हुये देखा गया। इसके बाद लोगों द्वारा उम्मीद जताई जा रही थी कि शायद इस नवनिर्मित ओवर ब्रिज का लोकार्पण बडे ही धूमधाम से किया जावेगा। मगर शासन प्रशासन द्वारा बगैर अधिकृत रूप से लोकार्पित किये ही इससे वाहनों की आवाजाही शुरू कर दी गई जो संपूर्ण क्षेत्र में चर्चा का विषय बनने के साथ साथ अनेक संदेहों को जन्म देने से नही चूक पाया था..? वैसे भी देखा जावे तो करोड़ों की लागत से बने हुये इस ओवर ब्रिज की गुणवत्ता पर शुरूआती तौर से ही सबाल उठने से नही चूक रहे थे। मगर जब अधिकारियों द्वारा लोकार्पण होने के पहले ही इस ब्रिज की शुरूआत यानि की वाहनों की आवाजाही के लिये खोल गया तो आमजन में यह चर्चा सुनाई देने से नही चूक पा रही

पुरानी गल्ला मंडी में मटकी फोड़ प्रतियोगिता का हुआ आयोजन, सीताराम अखाड़ा डमरू घाटी ने मारी बाजी



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

स्थानीय पुरानी गल्ला मंडी परिसर में जन्माष्टमी के पावन पर्व के उपलक्ष में भव्य मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन पूर्व नपा उपाध्यक्ष व भाजपा नेता कमल खटीक मित्र मंडल द्वारा किया गया, जिसमें युवाओ टीमें के बीच बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण मुकाबला देखने को मिला। बताया जाता है कि 21 फीट की ऊँचाई पर मटकी को फोड़ने के लिए युवाओं की टोलियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान सीताराम अखाड़ा डमरू घाटी की टीम ने शानदार प्रदर्शन, उत्कृष्ट तालमेल और रणनीति का परिचय दिया और टीम के युवाओं ने हवा में अद्भुत मानव पिरामिड बनाकर 21 फीट की ऊंचाई पर मटकी फोड़ने में सफलता हासिल की गई। जैसे ही मटकी फूटी दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट भगवान श्री कृष्ण के जयकारों से आयोजन स्थल गुंज उठा। इस तरह वर्षों की परम्परा पूर्ण पूरे आयोजन के दौरान युवाओं में अद्भुत खेल भावना, एकता, साहस और टीमवर्क देखने को मिला। मटकी फोड़ प्रतियोगिता में लुनावत ज्वेलर्स का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना एवं आरती के साथ किया गया। इसके पश्चात विभिन्न टोलियों ने बारी-बारी से मटकी फोड़ने का प्रयास किया। इस दौरान पिरामिड बनाकर



मटकी फोड़ने का दृश्य देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शकों की भीड़ उमड़ी। पुरस्कार वितरण समारोह के अतिथि महंत बालक दास तथा समाजसेवी अनिल लूनावत, प्रमोद कठल, प्रतीक लूनावत, गोपाल राय, बंटी सरावगी, लवलेश पालीवाल, नीरज सरावगी ने मटकी फोड़ने वाली टोली सीताराम अखाड़ा डमरू घाटी की टीम को 21 हजार नगद व शीलड देकर

सम्मानित किया गया। इस अवसर मंच संचालन करते हुए पूर्व नपा उपाध्यक्ष कमल खटीक, पूर्व पार्षद प्रवेश राय ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन हमारी संस्कृति और एकता के प्रतीक बताते हुये कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने भी बाल लीलाओं में मटकी फोड़कर प्रेम और एकता का संदेश दिया था। हमारा उद्देश्य युवाओं को अपनी संस्कृति से जोड़ना है।

स्कूलों में दिलाई गई साक्षरता की रापथ

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण के कार्यक्रमों का आयोजन क्षेत्रीय स्कूलों में किया गया। बताया जाता है इन कार्यक्रम के दौरान छात्र छात्राओं एवं स्वयं सेवकों ने साक्षरता के महत्व को समझते हुए शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने, निरक्षरता की दूर करने तथा समाज के प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा के लिए प्रेरित करने की शपथ ली।सभी ने संकल्प लिया कि वे स्वयं शिक्षा के महत्व को समझने के साथ-साथ अपने परिवार एवं समाज में भी साक्षरता के प्रति जागरूकता का संदेश पहुंचाएंगी।इस अवसर पर विद्यार्थियों को बताया गया कि साक्षरता केवल पढ़ना-लिखना सीखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति को उसके अधिकारों, कर्तव्यों और अवसरों के प्रति जागरूक बनाकर आत्मनिर्भर एवं सक्रिय बनाने का माध्यम है। शिक्षित एवं जागरूक नागरिक ही एक मजबूत और विकसित समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम में छात्र छात्राओं



से आह्वान किया कि वे शिक्षा के महत्व को समझें और समाज में साक्षरता के प्रसार के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं।कार्यक्रम मे प्राचार्य । प्रधान पाठक छात्र छात्राएं

उपस्थित रहे। बताया जाता है कि शासन के आदेश अनुसार साक्षरता स्कूलों में इन दिनों 1 सितंबर से 14 सितंबर तक साक्षरता पखवाड़े का आयोजन जारी है।

एक पौधा शहीद आशीष शर्मा के नाम, अमर शहादत को क्षेत्र के विधायक व सांसद ने नमन करते हुये किया पौधा रोपण

हरिभूमि न्यूज/कौडिया।

देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीद स्वर्गीय आशीष शर्मा की स्मृति में बीते हुये दिवस मधुवन (मोतिया तालाब) बोहानी में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सांसद चौधरी दर्शन सिंह एवं क्षेत्र के विधायक विवेकान्त सिंह पटेल (मुलायम मैया) ने सहभागिता करते हुए शहीद आशीष शर्मा की स्मृति में पौधरोपण किया और उनकी अमर शहादत को श्रद्धापूर्वक नमन किया। वही बताया जाता है कि इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि शहीद आशीष शर्मा ने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका त्याग, साहस और देशभक्ति हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। शहीदों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता और आने वाली पीढ़ियों तक उनकी गौरवगाथा पहुंचाना हम सभी का दायित्व है।शहीद की स्मृति में लगाया गया यह केवल एक पौधा नहीं, बल्कि उनकी वीरता, त्याग और अमर स्मृति का प्रतीक है। जिस प्रकार यह वृक्ष समय के साथ विकसित होकर आने वाली पीढ़ियों को छाया और जीवन प्रदान करेगा, उसी प्रकार शहीद आशीष शर्मा की शहादत की प्रेरणा सदैव लोगों के हृदयों में जीवित रहेगी। कार्यक्रम के माध्यम से शहीदों के सन्मान के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। उपस्थितजनों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा शहीदों की स्मृतियों और उनके आदर्शों को सदैव जीवंत रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर शहीद आशीष शर्मा के पिता देवेंद्र शर्मा, स्वामी श्री श्री 1008 राम हृदय दास महाराज, राव वीरेंद्र सिंह, हरि प्रताप ममार, पुनीत त्यागी, सरपंच श्रीमती किरण शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।



सूखाखैरी में आयोजित हुई विकासखंड स्तरीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता



हरिभूमि न्यूज/चीचली। जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले ग्राम सूखाखैरी शासकीय उ मा विद्यालय में विकास खंड स्तरीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता बालक / बालिका अंडर 14, 17 एवं 19 आयु वर्ग का आयोजन प्राचार्य महेन्द्र कौरव के मार्गदर्शन में किया गया। इस प्रतियोगिता में चीचली विकास खंड के विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने सम्मिलित होकर अपना जोहर दिखाया। मैचों के आयोजन पूर्व प्राचार्य कौरव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें बेहतर प्रदर्शन हेतु प्रोत्साहित किया। प्रतियोगिता उपरांत जिला स्तरीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए टीम का चयन किया गया। विकास खंड स्तरीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता को संपन्न कराने में डॉ संधीप मेहरा, सुमित कौरव, राजदीप मेरैया, शुभम मेहरा, नीतेश कौरव, कुलदीप कौरव एवं स्कूल के समस्त स्टॉफ का योगदान उल्लेखनीय रहा।

साईंखेड़ा क्षेत्र के अनेक गांव लोग आज भी कच्चे रास्ते से गुजरने के लिए हो रहे मजबूर

हरिभूमि न्यूज/ साईंखेड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान करते हुए उनका भला किया जा रहा है, मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि साईंखेड़ा क्षेत्र के अनेक गांव आज भी पक्की सड़कों से नही जुड़ पाये है? लोगों का कहना है कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना ने भले ही गाँव गाँव सड़कों का जाल बिछा दिया हो परन्तु विकासखंड साईंखेड़ा के अंतर्गत आने वाले अनेक गाँव आज भी पक्की सड़क की सुविधा से कोशो दूर दिखाएरू पड़ रहे है, जिसके चलते लोगों को आने जाने के लिए परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, क्षेत्र के अनेक ग्रामों में पक्की सड़क न होने से वर्षा काल में आवागमन दूषित हो जाता है और इन गांवों के लोग आज भी अपने आप को आज से 15 वर्ष पूर्व की स्थिति के समान महसूस करते हुए देखे जा रहे है? यहां के लोगों का कहना है कि इन ग्रामों में शीघ्र ही पक्की सड़क की सुविधा जनप्रतिनिधियों द्वारा मुहैया करायी जाये जिससे लोगों को शिक्षा स्वास्थ्य सभी बुनियादी सुविधाओं के लिये शहर की ओर आवागमन सुगम हो सके। बताया जाता है कि इन ग्रामों के लोगों को आज भी अपनी आवश्यकता की वस्तुओं की खरीद फरोख्त के लिये साईंखेड़ा आना पड़ता है, मगर पक्की सड़क न होने से आवागमन में परेशानी होती है साथ ही साथ इन गांवों में निवास करने वाले बच्चों का भी शिक्षा स्तर गिरता हुआ देखा जा रहा है, वही स्थिति तो गंभीर उस समय देखी जाते है तब गर्भवती महिलाओं को अस्पताल लाने की जरूरत पड़ जाती है, क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पिछले कई सालों से वे सड़क का सपना संजोये बैठे हैं कि उनके ग्राम में प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत सड़क बनेगी परन्तु उनका सपना आज भी पूरा नही हो पाया है।



ब्रिज शराब खोरी करने वालों के लिये प्रमुख अड्डा बन चुका है। इस बात की सच्चाई ब्रिज के ऊपरी भाग में खाली पड़ी हुई शराब को बाटले तथा अन्य प्रकार की सामग्री उजागर करते हुये देखी जा रही है कि यहां पर किस तरह से शराब खोरी चल रही है। इतना ही नहीं इस इस ब्रिज के नीचे के भाग में जहां अतिक्रमण होने के साथ शाम होते ब्रिज के नीचे से लेकर ऊपरी हिस्से में होने वाली शराब खोरी

स्थानीय स्तर के अधिकारियों की उदासीनता की कहानी को उजागर करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। सही मायने में देखा जावे तो यह नव निर्मित रेलवे ओवर ब्रिज जहां अपनी गुणवत्ता को लेकर चर्चाओं में बन चुका है तो दूसरी ओर मादक पदार्थ के अवैध कारोबार से लेकर उनके उपयोग को लेकर अपनी एक अलग ही पहचान बनाते हुये संपूर्ण क्षेत्र में अनेखी प्रसिद्धि

हासिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है..? इस सब के बाद लोगों को हैरत इस बात की हो रही है कि इस तरह गुणवत्ता की सच्चाई उजागर होने के बाद भी क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से लेकर संबंधित विभाग के अधिकारी जिस तरह चुप्पी साधे हुये दिखाई दे रहे है वह चर्चा का विषय बनने के साथ साथ अनेक प्रकार के संदेहों को जन्म देने से नही चूक रहा है।

खबर संक्षेप

यातायात उल्लंघन पर 22 वाहनों के चालान, 7,900 रुपये समन शुल्क वसूला



डिंडोरी। यातायात नियमों के पालन को लेकर बुधवार को जिला परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। जिला परिवहन अधिकारी विमलेश गुप्ता एवं यातायात थाना प्रभारी सुभाष उइके के नेतृत्व में हुई कार्रवाई के दौरान विभिन्न वाहनों की जांच की गई।अभियान के दौरान बसों में यातायात नियमों के उल्लंघन के मामले में चार चालान बनाए गए, जिनसे 2,000 रुपये समन शुल्क वसूला गया। वहीं अन्य वाहनों की जांच में बिना सीट बेल्ट, तीन सवारी, बिना हेलमेट, बिना ड्राइविंग लाइसेंस सहित अन्य नियमों के उल्लंघन के 18 प्रकरणों में चालानी कार्रवाई की गई। इनसे 5,900 रुपये समन शुल्क वसूला गया।इस तरह अभियान के दौरान कुल 22 वाहनों के चालान किए गए और 7,900 रुपये समन शुल्क वसूल किया गया।कार्रवाई के दौरान परिवहन विभाग से पंकज डेहरिया एवं शंकर चारिया तथा यातायात पुलिस से सजिन राम रूप विश्वकर्मा, आरक्षक राजन, विष्णु एवं अनिल मौजूद रहे। अधिकारियों ने वाहन चालकों को आवश्यक दस्तावेज साथ रखने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने तथा नाबालिगों को वाहन न चलाने देने की समझाइश दी। साथ ही सभी वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई।

युवाओं को समाज और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का सशक्त माध्यम है माय भारत



डिंडोरी। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत संचालित मेरा युवा भारत (माय भारत) अभियान के तहत मेकअलसुता महाविद्यालय, डिंडोरी के प्राचार्य डॉ. बिहारी लाल द्विवेदी को जिला माय भारत एंसेसडर का दायित्व सौंपा गया है। इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी भुवन सिंह सोलंकी के मार्गदर्शन में माय भारत की गतिविधियों और जिले के अधिक से अधिक युवाओं को संघ से जोड़ने को लेकर चर्चा की गई।डॉ. बिहारी लाल द्विवेदी का शैक्षणिक एवं सामाजिक क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय योगदान रहा है। छात्र जीवन में उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता के रूप में विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता की। वहीं एनसीसी से जुड़कर अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रसेवा के मूल्यों को आत्मसात किया। उन्होंने हिंदी, समाजशास्त्र, संस्कृत एवं विधि (एलएलएम) में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त की है और वर्तमान में विधि विषय में पीएचडी शोधरत हैं।चर्च 2012 में मेकअलसुता महाविद्यालय में समाजशास्त्र के सहायक प्राध्यापक के रूप में सेवाएं शुरू करने के बाद उन्होंने महाविद्यालय के प्राचार्य का दायित्व संभाला।डॉ. द्विवेदी ने कहा कि माय भारत केवल खेल खेल गतिविधियों तक सीमित संघ नहीं है, बल्कि यह युवाओं को शिक्षा, सामाजिक संभालािता, कौशल विकास, शारीरिक विकास, नेतृत्व क्षमता और रोजगार के विभिन्न अवसरों से जोड़ने वाला व्यापक संघ है। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के युवाओं तक माय भारत की पहुंच बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि शासन की योजनाओं, अवसरों और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी जिले के प्रत्येक युवा तक पहुंच सके।उन्होंने डिजिटल कनेक्टिविटी को युवाओं के बीच संचार और नए विचारों के आदान-प्रदान का प्रभावी माध्यम बताते हुए युवाओं से माय भारत से सक्रिय रूप से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को व्यक्तिगत हित से आगे बढ़कर समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझना चाहिए। 'स्व' के बजाय 'हम' के बारे में सोचना ही जीवन का मूल उद्देश्य होना चाहिए।उल्लेखनीय है कि डॉ. बिहारी लाल द्विवेदी की चार पुरस्के भी प्रकाशित हो चुकी हैं। इनमें दीर्घकालीन भविष्य में अध्यापक शिक्षक की भूमिका-माग-2, सांस्कृतिक संवेतना, भारतीय ज्ञान परंपरा के वैश्विक परिप्रेक्ष्य तथा भारतीय सामाजिक न्याय समावेशी विकास प्रमुख हैं।

दो बार भूमिपूजन, स्वीकृति भी मिली फिर भी नहीं शुरू हुआ स्टॉप डैम निर्माण



बारिश में तुरार नदी पार करना ग्रामीणों के लिए बना मुसीबत, स्कूली बच्चों और मरीजों को होती है परेशानी

डिंडोरी। जनपद पंचायत करंजिया अंतर्गत ग्राम पंचायत सेनगुड़ा के पोषक ग्राम टाफिया टोला में तुरार नदी पर प्रस्तावित कॉजवे कम स्टॉप डैम का निर्माण वर्षों बाद भी शुरू नहीं हो सका है। मनरेगा योजना के तहत निर्माण कार्य को दो बार स्वीकृति मिलने और स्थल पर भूमिपूजन होने के बावजूद काम शुरू नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य पूरा होने से टाफिया टोला सहित आसपास के कई गांवों के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिल सकती है।तुरार नदी के दूसरी ओर कुतरी, मोहगांव, बरटोला, घड़कन टोला, टिकरा टोला, देवरी और बरबसपुर सहित कई गांव बसे हैं। इन गांवों के ग्रामीणों को बाजार, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए नदी पार कर टाफिया टोला की ओर आना-जाना पड़ता है। ग्राम पंचायत सरपंच देव सिंह नेटी के अनुसार करीब 50 स्कूली छात्र-छात्राएं प्रतिदिन नदी पार कर हायर सेकेंडरी स्कूल पहुंचते हैं। सामान्य दिनों में आवागमन किसी तरह हो जाता है, लेकिन बारिश के दौरान नदी का जलस्तर बढ़ने से स्थिति गंभीर हो जाती है। कई बार अभिभावकों को बच्चों को नदी पार कराना पड़ता है। तेज बारिश के दौरान नदी पार करना संभव नहीं होने से



विद्यार्थियों की पढ़ाई भी प्रभावित होती है।

स्वास्थ्य सुविधा के लिए भी नदी पार करने की मजबूरी

ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र के लोगों को उपचार के लिए भी नदी पार कर स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचना पड़ता है। बारिश के दिनों में नदी का जलस्तर बढ़ने से मरीजों को अस्पताल ले जाना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रस्तावित कॉजवे कम स्टॉप डैम का निर्माण हो जाता है तो आवागमन की समस्या काफी हद तक दूर हो सकती है और आसपास के कई गांवों के लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। सरपंच से मिली जानकारी और निर्माण स्थल पर लगे शिलालेख के अनुसार तुरार नदी पर स्टॉप डैम निर्माण के लिए आरईएस विभाग द्वारा वर्ष 2021 में करीब 30.99 लाख रुपये की लागत निर्धारित की गई थी। ग्रामीणों के अनुसार तकनीकी अमले ने राशि कम होने की बात कही, जिसके बाद स्वीकृति निरस्त कर राशि बढ़ाने के लिए जिला पंचायत को पत्राचार किया गया। इसके बाद 19 अप्रैल 2022 को इसी कार्य की स्वीकृति राशि बढ़ाकर करीब 72.99 लाख रुपये कर दी गई।राशि बढ़ने के बाद ग्रामीणों को उम्मीद थी कि अब निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा, लेकिन इसके बावजूद मौके पर काम शुरू नहीं हो सका। निर्माण कार्य को लेकर 24 जुलाई 2023 को डिंडोरी विधायक ओमकार मरकाम, शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे और



जिला पंचायत अध्यक्ष रूदेश परस्ते ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर भूमिपूजन किया था। भूमिपूजन के बाद ग्रामीणों को निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद जगी थी, लेकिन इसके बाद भी कार्य शुरू नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि एक ओर निर्माण की स्वीकृति और राशि से संबंधित प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, वहीं दूसरी ओर मौके पर काम शुरू नहीं होने से योजना का लाभ उन्हें नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले में आवश्यक कार्रवाई कर जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है।

ग्रामीणों ने लगाए मेदभाव के आरोप

ग्रामीण मथुरा सारीवान ने डिंडोरी विधायक पर कथित तौर पर भेदभाव करने का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि स्टॉप डैम निर्माण की मांग को लेकर वे कई बार विधायक से मिले, लेकिन उन्हें कथित रूप से यह जवाब मिला कि गांव के लोगों ने उन्हें वोट नहीं दिया है और उनके पास ग्रामीणों के लिए समय नहीं है।ग्रामीण ने कहा कि चुनाव में किसी प्रत्याशी को वोट देना या नहीं देना अलग विषय है, जबकि विकास कार्य सभी क्षेत्रों और ग्रामीणों के लिए समान रूप से होने चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को किसी राजनीतिक विवाद से कोई लेना-देना नहीं है। उनकी मांग केवल इतनी है कि वर्षों से लंबित स्टॉप डैम का निर्माण शुरू कराया जाए, ताकि बारिश के दिनों में नदी पार करने की समस्या से निजात मिल सके।

आठ दिन से अंधेरे में बंजारी के ग्रामीण शिकायत के बाद भी नहीं सुधरा ट्रांसफार्मर

डिंडोरी। जनपद पंचायत डिंडोरी अंतर्गत ग्राम पंचायत बटौंथा के पोषक ग्राम बंजारी में पिछले आठ दिनों से ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण ग्रामीण अंधेरे में रात गुजारने को मजबूर हैं। बेगा बाहुल्य इस गांव की आबादी करीब पांच सौ बताई जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार ट्रांसफार्मर खराब होने की सूचना विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को कई बार दी जा चुकी है, लेकिन अब तक न तो ट्रांसफार्मर की मरम्मत की गई और न ही वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर दूसरा ट्रांसफार्मर लगाया गया है।लगातार आठ दिनों से बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण ग्रामीणों की रोजमर्रा की जंदगी प्रभावित हो रही है। पहाड़ी और वन क्षेत्र के बीच बसे इस गांव में रात के समय अंधेरा होने से जहरीले कीड़े-मकौड़ों और जंगली जानवरों का खतरा भी बना रहता है। ग्रामीणों का



कहना है कि शाम ढलते ही घरों में अंधेरा छा जाता है। आवश्यक कार्यों के लिए भी पर्याप्त रोशनी नहीं मिल पा रही है। बिजली से संचालित घरेलू उपकरण बंद पड़े हैं, जिससे ग्रामीणों को अतिरिक्त परेशानी उठानी पड़ रही है।

बच्चों की पढ़ाई पर पड़ा असर

बिजली नहीं होने का सबसे

अधिक असर स्कूली बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार बच्चे रात में पर्याप्त रोशनी के अभाव में पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में बिजली आपूर्ति बंद होने का असर पेयजल व्यवस्था पर भी पड़ा है। विद्युत आधारित पेयजल सप्लाई प्रभावित होने से ग्रामीणों को झिरिया



मिशन शक्ति और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बोन्दर में जागरूकता कार्यक्रम

डिंडोरी। मिशन शक्ति (हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमैन) एवं बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बुधवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बोन्दर में बालिकाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन एवं प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी श्याम सिंगोर के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की टीम ने छात्राओं को महिला एवं बालिका सुरक्षा, अधिकारों तथा उपलब्ध सहायता सेवाओं की जानकारी दी।वन स्टॉप सेंटर एडमिनिस्ट्रेटर रिंतु खांडे ने बालिकाओं को मिशन शक्ति के अंतर्गत संचालित संबल एवं सामर्थ्य योजनाओं, वन स्टॉप सेंटर और वहां उपलब्ध सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने छात्राओं को गुड टच-बैड टच पॉक्सो एक्ट 2012, बालिका शिक्षा के महत्व तथा बाल

विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि बालिकाएं किसी भी प्रकार की परेशानी, उत्पीड़न या असुरक्षा की स्थिति में चुप न रहें और उपलब्ध हेल्पलाइन सेवाओं के माध्यम से तत्काल सहायता प्राप्त करें। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर केस वर्कर सुमरतो सरोते ने भी केंद्र में उपलब्ध सहायता एवं सेवाओं की जानकारी छात्राओं को दी।इस दौरान छात्राओं को विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। इनमें महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस हेल्पलाइन 112 एवं वन स्टॉप सेंटर हेल्पलाइन 7828195167 शामिल हैं। अधिकारियों ने बालिकाओं से अपील की कि आवश्यकता पड़ने पर इन हेल्पलाइन सेवाओं का निःसंकोच उपयोग करें और अपने अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति सजग रहें।

सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायकों ने 8 सूत्रीय मांगों का सौंपा ज्ञापन, नियम विरुद्ध आउटसोर्स कर्मचारी को दिये प्रभार का विरोध

डिंडोरी। सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायकों द्वारा बुधवार को अपनी विभिन्न समस्याओं के संबंध में कलेक्टर के नाम 8 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन गायब तहसीलदार को सौंपा गया है। ज्ञापन में लेख किया गया है कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत कार्यरत सरपंच, सचिव, रोजगार सहायकों के विभिन्न प्रकार की परेशानियां होने के कारण पंचायतों में कार्य करने में काफी समस्या होती है। ज्ञापन में लेख किया गया कि ग्राम पंचायत द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यों पर आये दिन जांच एवं वसूली की कार्यवाही की जाती है। जिससे कार्य करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। समस्त निर्माण कार्यों की तकनीकी स्वीकृति, प्रशासकीय स्वीकृति उपरांत ही कार्य करारकर मूल्यांकन के आधार पर राशि का भुगतान किया जाता है। लेकिन कार्यों को गुणवत्ताहीन या घटिया निर्माण करार दे दिया जाता है, जो कि अनुचित है। नियमानुसार बगैर जांच कराये मात्र सरपंच सचिव, रोजगार सहायक को दोषी मानकर सचिव को निर्लिखित एवं सरपंच को 30 दिन का श्रम कारवायास का आदेश जिला पंचायत द्वारा जारी किया जाता है, जो न्याय संगत नहीं है। इस पर रोक लगाए जाने की मांग



की गई है। ज्ञापन में लेख किया गया कि निर्माण कार्य प्रारंभ के उपरांत 50 प्रतिशत राशि आहरण कर सामग्री क्रय करने पर ही समय पर कार्य पूर्ण किया जा सकता है जिसे वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा बिना मूल्यांकन राशि आहरण करने को आरोप लगाकर राशि वसूली की कार्यवाही किया जाता है जो पूर्णतः न्याय संगत नहीं है। प्रधानमंत्री आवास एवं जन मन आवास की प्रगति कम होने पर सचिव ग्राम रोजगार सहायकों को निर्लबन एवं राशि वसूली

की कार्यवाही की समकी हमेशा वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दी जाती है। जबकि हितवाही के खातों में सीधे राशि जमा होती है एवं ऐसी स्थिति में सचिव, रोजगार सहायक को दोषी करार न दिया जावे। आरोप लगाया गया कि फर्जी सीएम हेल्पलाइन लगाकर सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक को ब्लैकमेल किया जाता है। प्रतिवेदन के आधार पर फोर्स क्लोज किया जावे। इसके साथ ही सचिव, रोजगार सहायक का वेतन मानदेय न रोका जावे। ग्राम रोजगार सहायकों का वेतन समय पर नहीं दिया जाता जिससे आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है। उनका वेतन बढ़ाये जाने की मांग की गई है। ग्राम पंचायतों में आये दिन शासकीय एवं विकास यात्राओं, सम्मेलन जैसे कार्यक्रम आयोजित कराये जाते है जिसमें व्यय राशि का प्रावधान नहीं है जबकि टेंट, माईक, कुर्सी मजबूरी बस लगाना पड़ता है जिसका भुगतान प्रावधानित किया जावे एवं उच्च कार्यालय से भुगतान हेतु आदेश जारी किया जावे। चेतावनी दी गई है कि एक सप्ताह के अंदर निराकरण नहीं होने पर उच्च आंदोलन करने वे मजबूर हो जायेंगे।

9 सितंबर से 8 अक्टूबर तक जिलेमर में होंगे पोषण एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

डिंडोरी। जिले में राष्ट्रीय पोषण माह 2026 का शुभारंभ बुधवार को किया गया। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्याम सिंगोर के निर्देशन में जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर विभिन्न गतिविधियों के साथ अभियान की शुरुआत हुई।इस दौरान उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम की वेबकास्टिंग के माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण माह के कार्यक्रमों का शुभारंभ देखा गया।

अभियान की इस वर्ष की थीम 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' रखी गई है। इसके तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने केंद्रों एवं आसपास के क्षेत्रों में दीवार लेखन कर पोषण संबंधी संदेशों का प्रचार-प्रसार किया।

राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान जिले के आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, आहार में विविधता, पर्याप्त प्रोटीन, ताजा एवं पौष्टिक भोजन, सामुदायिक सहभागिता तथा बच्चों



के प्रारंभिक विकास एवं शिक्षा से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। साथ ही जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व की जानकारी दी जाएगी।अभियान के दौरान गर्भवती एवं धात्री माताओं, बच्चों तथा परिवारों को बेहतर पोषण और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने पर विशेष जोर रहेगा। आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से पोषण संबंधी व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए

विभिन्न स्तरों पर गतिविधियां संचालित की जाएंगी।9 सितंबर से 8 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले राष्ट्रीय पोषण माह का मुख्य उद्देश्य जनसमुदाय में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वस्थ जीवनशैली एवं बेहतर पोषण व्यवहार को प्रोत्साहित करना है। विभाग द्वारा जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए पोषण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

सात दिवसीय प्रशिक्षण में 120 स्वयंसेवकों ने सीखी आपदा प्रबंधन और बचाव की तकनीकें



डिंडोरी। आपदा की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित _आपदा मित्र योजना_ का सात दिवसीय प्रशिक्षण बुधवार को संपन्न हुआ। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, होमगार्ड के संयुक्त तत्वावधान में जिला होमगार्ड प्रशिक्षण केंद्र, डिंडोरी में 3 से 9 सितंबर तक प्रशिक्षण आयोजित किया गया।समापन समारोह में मुख्य अतिथि अपर कलेक्टर जे.पी. यादव ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी आपदा के



एवं मानवजनित आपदाओं से निपटने के लिए सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में भूकंप, आगजनी, बाढ़, चक्रवात, आकाशीय बिजली और सूखा जैसी आपदाओं के साथ बेसिक लाइफ सपोर्ट, प्राथमिक उपचार, सीपीआर, सर्पदंश, रोप रेस्क्यू तथा सर्च एंड रेस्क्यू की तकनीकों का अभ्यास कराया गया।इसके अलावा न्यूक्लियर, केमिकल, बायोलॉजिकल एवं रेडियोलॉजिकल आपदाओं के दौरान अपनाई जाने वाली राहत एवं बचाव प्रक्रियाओं की जानकारी भी दी गई। महामारी से उत्पन्न संभावित खतरों तथा आधुनिक परिस्थितियों

में प्रभावी आपदा प्रबंधन के उपायों से भी स्वयंसेवकों को अवगत कराया गया।अधिकारियों ने कहा कि प्रशिक्षण के बाद तैयार आपदा मित्र किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन के साथ समन्वय कर प्रभावित लोगों तक त्वरित सहायता पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगे। होमगार्ड कमांडेंट नरेश साहू के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण की व्यवस्थाएं की गईं। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि अपर कलेक्टर जे.पी. यादव ने सभी आपदा मित्र स्वयंसेवकों को आपदा किट वितरित की। कार्यक्रम में कंपनी कमांडर शिवराज पट्टे सहित होमगार्ड एवं एसडीआरएफ के जवान उपस्थित रहे।

